आरती श्री बद्रीनारायणजी की

पवन मन्द सुगन्ध शीतल हेम मन्दिर शोभितम् ।
निकट गंगा बहत निर्मल श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम्।
शेष सुमिरन करत निशदिन धरत ध्यान महेश्वरम् ।
श्रीवेद ब्रह्म करत स्तुति श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम् ।
शक्ति गौरी गणेश शारद नारदादिक उच्चरम् ।
जोग ध्यान अपार लीला श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम् ।
इन्द्र चन्द्र कुबेर धुनि कर धूप दीप प्रकाशितम् ।
सिद्ध मुनिजन करत जय-जय श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम् ।
यक्ष किन्नर करत वंदन ज्ञान गुणहि प्रकाशितम् ।
नित्यकमला चंवर करती श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम् ।
हिम शिखर की अतुल शोभा शिखर अति शोभावरम् ।
धर्म राज करत स्तुति श्रीबद्रीनाथ विश्वम्भरम् ।
श्री बद्रीनाथ के पञ्च रत्न को पाठ पाप विनाशनम् ।
कोटि तीर्थ भवेत पुण्यं श्री बद्रीनाथ विश्वम्भरम् ।

विवरण

धीमी -धीमी एवं ठंडी-ठंडी हवा सुवासित हो रही है, पास में स्वच्छ गंगा बह रही है, ऐसे में सम्पूर्ण विश्व के मालिक श्री बद्रीनारायण भगवान का सोने का मन्दिर अनुपम ढंग से शोभायमान हो रहा है ।

शेषनाग इनकी प्रति दिन वन्दना करते हैं एवं भगवान शंकर भी इनके ध्यान में मग्न रहते हैं, ऐसे श्री बद्रीनाथ परमेश्वर की वेद और ब्रह्मा भी स्तुति करते हैं।

शक्ति की देवी माता पार्वती, गणेश जी,माता शारदा भवानी, भगवान नारद आदि भी इनके नाम का उच्चारण करते हैं, एसे श्री बद्रीनाथ नारायण की लीला, योग एवं ध्यान अपरंपार है ।

भगवान इन्द्र, चन्द्रमा एवं कुबेर धूप-दीप जलाकर प्रकाश फैला रहे हैं, ऐसे श्री बद्रीनाथ परमेश्वर की, जो मुनि गण सिद्ध प्राप्त किए हुए हैं, उनकी जयजयकार कर रहें है । यक्ष और किन्नर जिनके ज्ञान के गुणों की वन्दना करके प्रकाशित होते हैं ऐसे श्री बद्रीनाथ परमेश्वर को नित्य माँ लक्ष्मी चँवर डुलाती हैं ।

इनका मन्दिर ठंडे पहाड़ की चोटी पर बड़े ही अनुपम ढंग से शोभित हो रहा है, जिसकी तुलना नहीं की जा सकती, ऐसे श्री बद्रीनाथ परमेश्वर की धर्म के राजा स्तुति करते हैं ।

श्री बद्रीनाथ भगवान के पञ्चरत्न का पाठ करके मनुष्य के सारे पापों का नाश हो जाता है, तथा अनेक तीर्थ करने के पुण्य प्राप्त होते हैं, ऐसे है सम्पूर्ण विश्व के परमेश्वर श्री बद्रीनाथ जी ।

---

visit www.astrogyan.com for more aarthi's, free indian astrology horoscope charts & predictions.
all information © since 2000, Aks Infotech Pvt. Ltd., portal designed & developed by Pintograph Pvt. Ltd.